Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DPJ-103

विवाह एंव मेलापक विचार

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा / प्रमाण पत्र (डी0पी0जे0 / सी0पी0जे0)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. विवाह परिचय तथा विवाह हेतु शुभ ग्रह योग की चर्चा करें।

P.T.O.

Q.2. अष्टकूट को स्पष्ट करते हुए उसकी उपादेयता बताएं।

Q.3. दक्षिण भारतीय पद्धति से ग्रह मेलापक पर प्रकाश डालें।

अथवा

विवाह मेलापक की प्रासंगिकता वर्तमान सन्दर्भ में क्या है, स्पष्ट कीजिए।

Q.4. मांगलिक दोष तथा उसके परिहार की विस्तृत चर्चा करें।

Q.5. शनि की साढेसाती को स्पष्ट करते हुए निवारण बताएं।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. भावों के प्रकार स्पष्ट करें।

Q.2. विवाह मेलापक के बारे में बताएं।

Q.3. दक्षिण भारतीय मिलान पद्धति पर प्रकाश डालें।

Q.4. लग्न से गोचर विचार कैसे करते है? स्पष्ट करें।

Q.5. ग्रहों के वेध विचार लिखें।

Q.6. विवाह में गुण दोष की व्याख्या करें।

Q.7. गोचर विचार की व्याख्या करें।

Q.8. शनि की ढैय्या क्या है? निरूपित करें।

****